सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, शनिवार, 28 जून, 2025
वर्षः 02, अंकः 175, पृष्ठः 8+4

वियतनाम में जीता पहला अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक

इनसाइड केडीए में रिश्वतखोरी फ़िर उजागर... » Pg 03

» Pg 12

इटावा में बवाल करने वालों पर एक्शन में योगी सरकार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» 19 बवाली गिरफ्तार, 13 गाड़ियां सीज, गांव में फोर्स तैनात

» 'अहीर रेजीमेंट' व 'यादव महासभा' के उपद्रव, एक्शन में पुलिस

इटावा। इटावा के थाना बकेवर क्षेत्र के गांव दांदरपुर में बीते गुरुवार को भारी बवाल हुआ। गांव में घुसने से रोकने पर 'अहीर रेजीमेंट' और 'यादव महासभा' के लोगों ने पुलिसवालों पर पथराव किया। अपने बचाव में पुलिस को हवाई फायरिंग करनी पड़ी। इस घटना के बाद इलाके का माहौल तनावपूर्ण हो गया है। फिलहाल, पुलिस ने बवालियों पर एक्शन लेना शुरू कर दिया है। एडीजी आलोक सिंह के निर्देश पर हाईवे पर पथराव एवं तोड़फोड़ व जाम लगाने वाले आरोपियों की संपत्ति नीलाम कर की गई जाएगी क्षतिपूर्ति भरपाई कराई जाएगी।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, अब तक 19 बवाली गिरफ्तार किए जा चुके है और 13 गाड़ियां सीज की गई हैं। इसके साथ ही दादरपुर गांव में कई थानों की फोर्स तैनात की गई है। वहीं, वीडियो में कैद हुए बवालियों की तलाश में जगह-जगह छापेमारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि 26 जून को बकेवर थाना क्षेत्र इलाके में एकत्रित हुई हजारों की भीड़ में दूसरे जिलों से भी लोग आए थे।

बताते चलें कि पिछले दिनों दादरपुर गांव में यादव कथावाचक मुकुट मणि यादव और उसके सहयोगी संत कुमार यादव के साथ मारपीट की गई थी। संत यादव की चोटी भी काट दी गई थी। आरोप ब्राह्मण समाज के लोगों पर लगा था। पुलिस ने इस मामले में चार युवकों को गिरफ्तार किया था। दूसरी तरफ अब कथाचाचकव उनके सहयोगी के खिलाफ भी फर्जी आधार कार्ड और धोखेबाजी का केस दर्ज किया गया है। शिकायत गांव के रहने वाले जय प्रकाश तिवारी द्वारा की गई थी। इस घटना के बाद यादव और ब्राह्मण संगठन आमने-सामने हैं। इस कड़ी में गुरुवार को यादव संगठन के लोग गांव में घुसने का प्रयास कर रहे थे, सैवाने पर पर पुलिस से उनकी झड़प हो गई। पुलिस ने सख्त कार्रवाई की। अब तक 19 बवाली गिरफ्तार कर चुके हैं। 13 गाड़ियां सीज की गई हैं। वहीं, वीडियो में कैद हुए बवालियों की तलाश में जगह-जगह छापेमारी की जा रही है।

अगर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की होगी कार्रवाई

बवाल के बाद पुलिस के द्वारा सभी से अपील की गई है कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट, टिप्पणी, अफवाह, भ्रामक खबर प्रसारित करने एवं सामाजिक माहौल खराब करने, लॉ एंड ऑर्डर बिगाड़ने का प्रयास न करें। अन्यथा उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी बृजेश कुमार ने बताया कि फिलहाल कानून एवं शांति व्यवस्था सामान्य है।

कथावाचक मामला

यादव महासभा की 'आत्मसम्मान बैठक' रद्द

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

इटावा । जून को इटावा के दांदरपुर गांव में कथावाचक मुकुटमणि यादव और संत सिंह यादव के साथ हुई बदसलूकी के मुद्दे पर प्रस्तावित यादव महासभा की बैठक को रद्द कर दिया गया है। यह फैसला जिले में धारा 144 की निषेधाज्ञा (निषेधात्मक आदेश) लागू होने के कारण लिया गया है। बैठक रद्द होने की जानकारी अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के जिला अध्यक्ष डॉ. शिवराज सिंह ने दी है। बताया जा रहा यही कि यह बैठक यादव समाज में आत्मसम्मान को लेकर उत्पन्न हुए आक्रोश के मद्देनजर 'आत्मसम्मान बैठक' के रूप में प्रस्तावित थी. कि मेरी भागवत खंडित हो गई।

बड़ा खुलासा

कॉल डिटेल रिकॉर्ड से हुए अहम खुलासे, पीओके मेंसंदिग्धों से बातचीत के मिले साक्ष्य

असलहा फैक्ट्री से कश्मीर तक होती थी सप्लाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। मलिहाबाद में पकड़ी गई असलहा फैक्टरी मामले की जांच में हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। आरोपी हकीम कश्मीर तक असलहों की खेप सप्लाई करता था। कॉल डिटेल रिकॉर्ड में पीओके में रहने वाले संदिग्धों से बातचीत के साक्ष्य मिले हैं। मामले में एटीएस ने भी छानबीन शुरू की है।

राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद में अवैध असलहों की फैक्टरी पकड़े जाने के मामले में नया मोड़ आ गया है। छानबीन में सामने आया है कि आरोपी हकीम सलाऊद्दीन उफ़ लाला कश्मीर तक तक असलहों की तस्करी करता था। सलाऊद्दीन के कॉल डिटेल रिकॉर्ड में पीओके के कुछ संदिग्धों से बातचीत के साक्ष्य भी मिले हैं। एडीसीपी जितेंद्र दुबे के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह घर पर अवैध असलहे बनाता था। घर के बगल में बने सिनेमा हॉल के कंपाउंड में असलहे

छिपाकर रखे थे। उसके पास से तीन पिस्टल, एक तमंचा, दो देशी तमंचा, एक रायफल, सात एयर गन, 118 कारतूस, 41 खोखा, छह बांका, दो छूरी, नौ फरसा, गड़ासे, अवैध शस्त्र तैयार करने के उपकरण और हिरन की खाल मिली है।

कार्यशैली पर सवाल

आरोपी पर आयुध अधिनियम और वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। मलिहाबाद थाने से महज 100 मीटर की दूरी पर अवैध असलहे बनाए जा रहे थे, लेकिन पुलिस को इसकी भनक नहीं लगी। इस घटना ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बड़े धार्मिक आयोजन में लगातार दूसरी बार कमिश्नरेट पुलिस फेल!

» थानेदार की अभद्र भाषा से उपजा रोष

» 8 घंटे तक जारी रहा गतिरोध

» आहत महंतों ने कहा निलंबन नहीं तो आत्मदाह

» सीएम योगी के हस्तक्षेप के बाद थानेदार सस्पेंड

» ध्वनि प्रदूषण संबंधी गाइडलाइन हुई दरकिनार

निर्मल तिवारी/स्वराज इंडिया

कानपुर। एक तरफ आदेश का अनुपालन कराने की कसरत तो दूसरी और परंपराओं का पालन करने की हसरत। खाकी वर्दी वाले के मुख से निकले अपशब्द तो खड़ा हो गया विवाद, संतो के सम्मान में लोगों ने कर दिया सत्याग्रह का शंखनाद। लोगों की मांग थी गालीबाज थानेदार को करो सस्पेंड, दूसरी तरफ किंकर्तव्यविमूढ़ पुलिस अफसर करते रहे थानेदार को डिफेंड। मामले में आया तब गंभीर मोड़, जब सत्ता और विपक्ष में लग गई महंतश्री को समर्थन देने की होड़। नया गंज चौराहा बन गया अखाड़ा, सबने मिलकर पुलिस को अच्छे से झाड़ा। जब फिर भी नहीं निकला निष्कर्ष तब विवाद ने पाया चरमोत्कर्ष। महंतों ने कर दिया आगाह, मांगे नहीं मानी तो कर लेंगे आत्मदाह। स्थिति हो गई थी गंभीर, कमान से निकल चुका था तीर। प्रशासन ना था झुकने को तैयार, इधर बिगुल बज चुका था आर या पार। परंपरा में था यह व्यवधान, अब कैसे स्थापित हो संत सम्मान। अंत में बचा एक ही द्वार, समस्या पहुंची योगी दरबार। फिर हस्तक्षेप हुआ तुरंत, सस्पेंशन से हुआ विवाद का अंत।

कानपुर में रामनवमी की तरह ही कल शहर की घनी बस्ती से निकलने वाली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में भी अधिक साउंड बॉक्स लगाने को लेकर पुलिस और आयोजकों के बीच विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। भक्तों और पनकी मंदिर के महंत ने बादशाही नाका थाना प्रभारी पर सीधे-सीधे गाली देने का आरोप लगाते हुए उक्त प्रभारी को सस्पेंड करने की मांग कर दी। नया गंज चौराहे पर धरना शुरू हो गया। विवाद की जानकारी मिलते ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेता महंत के समर्थन में उतर आए। लगभग 8 घंटे चले इस घटनाक्रम को संभालने के लिए डीसीपी ईस्ट, तीन एसीपी कई थानों की फोर्स मौके पर डटी रही। पुलिस जहां जांच के बाद कार्रवाई की बात कर रही थी वहीं महंत और भक्त तुरंत सस्पेंड करने की मांग पर अड़े हुए थे। प्रशासन के ढुलमुल रवैए से आहत दोनों महंत ने 8 बजे की डेडलाइन देते हुए उसके बाद शरीर छोड़ने, आत्मदाह करने तक की धमकी दे दी। आसपास का पूरा बाजार महंतों के समर्थन में बंद हो गया। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए भाजपा स्थानीय इकाई द्वारा जब मामले की जानकारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दी गई, तब जाकर थाना प्रभारी को निलंबित किया गया। शाम 4 बजे निकलने वाली रथ यात्रा रात 9 बजे के आसपास शुरू हो सकी।

भाषा के साथ ही पुलिस की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह

कानपुर में कल भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के प्रारंभ से पूर्व उत्पन्न विवाद कानपुर पुलिस कमिश्नरेट के थाना स्तर के पुलिस कर्मियों की भाषा शैली पर तो प्रश्न उठता ही है साथ ही इस तरह के बड़े धार्मिक आयोजन में कानपुर पुलिस कमिश्नरेट के अफसर द्वारा किए जा रहे प्रबंधन और आयोजकों के साथ उनके संयोजन पर भी प्रश्न चिन्ह लगा रहा है। साउंड बॉक्स के इस्तेमाल के चक्कर में जब रामनवमी पर विवाद हो चुका था तो इस बार पुलिस के अफसरों ने पहले से ही आयोजकों के साथ बैठकर स्पष्ट दिशा निर्देश क्यों नहीं दिए। आयोजकों को विश्वास में क्यों नहीं लिया। कमिश्नरेट लागू किए जाते समय कहा गया था इस व्यवस्था से पुलिस की कार्यशैली और व्यवहार दोनों में ही गुणात्मक सुधार आएगा, लेकिन बड़े धार्मिक आयोजनों में लगातार उत्पन्न हो रही विवाद की स्थिति से तो ऐसा लग रहा है कानपुर पुलिस कार्यशैली और व्यवहार दोनों ही स्तर पर असफल रही है।

धार्मिक परंपरा जरूरी या फिर महंत का सम्मान

कानपुर में काशल घटी घटना ने प्रबुद्ध वर्ग के बीच एक बहस को भी जन्म दिया है। बहुत से लोगों का यह भी कहना है कि पनकी के महंतों ने कल स्वयं के सम्मान को जिस प्रकार भगवत भक्ति से ऊपर रखा और जो आचरण किया वह एक धर्माचार्य को शोभा नहीं देता। धर्माचार्य के रूप में उनका पहला कर्तव्य था कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निर्विघ्न रूप से तय समय पर शुरू हो। लोगों का तो यहां तक कहना है कि संत तो निरपेक्षता की स्थिति में रहते हैं। साधु संत स्वयं को मान, अपमान,राग, द्वेष से परे रखते हैं। संत के लिए मान क्या, सम्मान क्या, अपमान क्या! उन्हें तो बस अपने ईष्ट की भक्ति से मतलब होता है।

सस्पेंड करने में हिचक के कारण

सूत्रों का कहना है कि पुलिस अफसर मात्र आरोप के आधार पर ही निलंबन के पक्ष में नहीं थे। हर विभाग में निलंबन के लिए कुछ गाइडलाइंस होती हैं, कुछ नियम होते हैं। पुलिस विभाग नियमानुसार कार्रवाई करने की प्रक्रिया अपना रहा था। संभावना यह भी है कि अधिकारियों के सामने एक धर्म संकट रहा हो

कि साक्ष्य ना होते हुए भी मात्र आरोपों के आधार पर सस्पेंड करने से निचले स्तर के पुलिसकर्मियों के बीच गलत संदेश जाएगा।

केडीए में रिश्वतखोरी फ़िर उजागर

» प्लॉट आवंटन में घूस मांगने वाला लिपिक विकास भारती निलंबित

» शताब्दी नगर की पीड़िता ने साक्ष्यों के साथ की शिकायत,

» उपाध्यक्ष ने की त्वरित कार्रवाई

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) में भ्रष्टाचार पर एक बार फिर सवाल उठ खड़े हुए हैं। विक्रय जोन-2 में कार्यरत द्वितीय श्रेणी लिपिक विकास भारती को प्लॉट आवंटन में भारी रिश्वत मांगने के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई तब की गई जब शताब्दी नगर फेस-3 से आई आवंटी गीता ने जनता दर्शन में केडीए उपाध्यक्ष के समक्ष ठोस साक्ष्यों के साथ शिकायत दर्ज कराई।

सस्पेंड किया गया लिपिक विकास भारती

आरोप हैं कि बाबू विकास भारती ने प्लॉट की कीमत में 5ब्र की छूट दिलाने के नाम पर गीता से लगभग डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। यही नहीं, बताया जा रहा है कि विकास भारती पूर्व में भी विभागीय कार्यों को जानबूझकर लंबित रखकर फाइलों को रोकने और आवंटियों को मानसिक रूप से परेशान करने के मामलों में घिर चुका है। उसके खिलाफ पहले भी विभागीय कार्रवाई की जा चुकी है।जैसे ही मामला केडीए उपाध्यक्ष के संज्ञान में आया, उन्होंने बिना समय गंवाए तुरंत आदेश जारी करते हुए विकास भारती को निलंबित कर दिया। साथ ही पूरे मामले की जांच के लिए केडीए के वित्त नियंत्रक सुशील कुमार को जांच अधिकारी नामित किया गया है। निलंबन के बाद फिलहाल विकास भारती को कार्मिक विभाग से संबद्ध कर दिया गया है।

उपाध्यक्ष का सख्त संदेश भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

प्राधिकरण उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्यांयाल ने साफ कहा है कि विभाग में किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कोई भी कर्मचारी यदि जनता से अवैध रूप से धन की मांग करता है या योजनाओं में बाधा डालता है, तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी उन्होंने जनता दर्शन के बाद मीडिया को दिए बयान में कहा।

प्राधिकरण की छवि पर फिर उठे सवाल, निगरानी बढ़ाने की जरूरत

यह मामला केडीए जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में कार्यरत बाबुओं की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। आए दिन प्लॉट आवंटन, नक्शा पासिंग और नामांतरण जैसी सेवाओं में जनता को बाबुओं की मनमानी और देरी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में उपाध्यक्ष की यह त्वरित कार्रवाई एक सकारात्मक कदम मानी जा रही है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि निगरानी तंत्र को और मजबूत किए जाने की जरूरत है ताकि आम नागरिकों को बिना रिश्वत के अपनी सेवाएं समय पर मिल सकें।

सोशल मीडिया में जातीय नफरत फैलाने पर एफआईआर

» एडीजी कानपुर जोन के सख्त एक्शन से दर्जनों युवकों पर गिरी गाज

» कानपुर में ब्राह्मण महिलाओं पर अश्लील टिप्पणी करने वाले अभी भी सुरक्षित

कानपुर। इटावा जनपद में एक युवक, जो यादव समुदाय से संबंधित बताया जा रहा है, भागवत कथा आयोजित कराने के नाम पर दो अलग-अलग आधार कार्ड के साथ पकड़ा गया। एक आधार कार्ड में उसने अपना असली नाम दर्शाया था, जबकि दूसरे में अग्निहोत्री सरनेम जोड़कर स्वयं को ब्राह्मण दर्शाने का प्रयास किया गया था। कथा स्थल पर जब उसकी वास्तविक पहचान उजागर हुई, तो कथित रूप से कुछ स्थानीय ब्राह्मणों द्वारा युवक के साथ मारपीट की गई। यह घटना न केवल क्षेत्रीय स्तर पर सनसनीखेज रही, बल्कि सोशल मीडिया पर भी तेजी से फैली, जिससे जातीय तनाव और आरोप-प्रत्यारोप की स्थिति बन गई। इस प्रकरण ने समाज में व्याप्त पहचान और जातीय संवेदनशीलता के मुद्दों को एक बार फिर सतह पर ला दिया है। इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर लगातार जातीय नफरत फैलाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। एडीजी जोन की सख्ती के चलते हाल ही में कानपुर देहात, इटावा, औरैया, कन्नौज, जालौन, झांसी, ललितपुर समेत कई जिलों में ऐसे युवकों के खिलाफ कार्रवाई की गई, जिन्होंने फेसबुक व अन्य प्लेटफॉर्म पर समुदाय विशेष के खिलाफ अभद्र, उकसाऊ और भड़काऊ टिप्पणियां की थीं। इनमें कानपुर देहात से तैयब कुरैशी, विवेक यादव, औरैया से शिवम दुबे, राहुल शाक्य, शैलेन्द्र यादव, इटावा से आशिक यादव, रवि यादव, नवनीत कश्यप, अशुल यादव, विकास उर्फ गौरव यादव, शिवम, पंकज, कन्नौज से शरद यादव, फर्रुखाबाद से मीटू यादव, कृष्णा यादव, झांसी से राहुल रतन, जालौन से आकाश यादव, दीपक यादव, अश्वनी कुमार, सचिन यादव, और ललितपुर से धर्मेन्द्र अहिरवार, कल्लू राजा बुंदेला शामिल हैं।

अब ब्राह्मण समाज को निशाना बनाकर खोला नया मोर्चा

बीते दिनों पूर्व स्वराज इंडिया अखबार में ब्राह्मण समुदाय की महिलाओं के खिलाफ सोशल मीडिया पर जहर उगलने वाले कुछ अराजक तत्वों की पहचान को सबूत के साथ उजागर किया गया था।

कई ब्राह्मण संगठनों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने रिपोर्ट दी है कि बीते दिनों कुछ फेसबुक प्रोफाइल से ब्राह्मण महिलाओं को लेकर अत्यंत अश्लील, अपमानजनक व उन्माद भरे पोस्ट डाले जा रहे हैं। इनमें अविरल यादव (नौबस्ता, कानपुर), निर्मल यादव, पंकज सिंह यादव, सत्यम यादव (जो अपने आप को समाजवादी बताता है) और विकास कुमार यादव जैसे नामों के खिलाफ स्क्रीनशॉट्स के साथ प्रमाण सामने आए हैं। इन पोस्टों में ब्राह्मण महिलाओं के लिए अमर्यादित भाषा, यौन हिंसा के संकेत और जातीय द्वेष साफ देखा गया है। ब्राह्मण समाज ने मांग की है कि ठीक उसी तरह, जैसे पूर्व में अन्य जातियों पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी पर डीजीपी ने कार्रवाई की है, इन युवकों के खिलाफ भी तुरंत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की जाए, ताकि समाज में फैल रहे डिजिटल जातीय जहर को समय रहते समाप्त किया जा सके।

विवाहिता से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

» फेसबुक पर दोस्ती कर रचाई थी झूठी मोहब्बत की कहानी

» नौकरी और शादी का झांसा देकर किया था शारीरिक शोषण

» पुलिस ने कालरा कोल्ड स्टोर के पास से दबोचा

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)।फेसबुक पर दोस्ती कर विवाहिता को पहले प्यार में फंसाया, फिर नौकरी और शादी का झांसा देकर लगातार शोषण करने वाले आरोपित को बिल्हौर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पीड़िता की तहरीर पर बिल्हौर थाने में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था। जिसके बाद सक्रिय हुई पुलिस टीम ने 24 घंटे के भीतर आरोपित हरिओम दीक्षित को पकड़ लिया। पुलिस ने उसे कालरा कोल्ड स्टोर से लगभग 100 मीटर आगे अलियापुर की ओर से गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपित को थाने लाकर पूछताछ की और साक्ष्यों के आधार पर उसे न्यायालय में पेश किया,जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

मालूम हो कि औरैया जनपद निवासी पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि बिल्हौर के सिहुरा दारा शिकोह गांव निवासी हरिओम दीक्षित ने फेसबुक पर पहले दोस्ती की, फिर विश्वास जीतकर शादी और नौकरी के सपने दिखाए। इसी बहाने आरोपी ने उसका शारीरिक शोषण किया और नकदी व जेवरात भी हड़प लिए। जिसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए। आरोपित युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया

अरौल में कोठी घाट खोलने व बस स्टॉप चालू कराने की मांग

» सपा नेताओं ने राज्यपाल को संबोधित उपजिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर विधानसभा की पूर्व सपा प्रत्याशी रचना सिंह गौतम के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने अरौल स्थित कोठी घाट को खोलने और बंद पड़े बस स्टॉप को चालू कराने की मांग को लेकर

राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी बिल्हौर को सौंपा है।सपा नेत्री रचना सिंह गौतम ने कहा कि अरौल का कोठी घाट, जो देव भूमि के नाम से प्रसिद्ध है, श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। दूर-दराज़ से गंगा स्नान के लिए लोग यहां आते हैं, लेकिन घाट बंद होने से उन्हें लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। यह न सिर्फ श्रद्धालुओं की आस्था से खिलवाड़ है बल्कि क्षेत्रीय पर्यटन को भी प्रभावित कर रहा है।

साथ ही उन्होंने अरौल बस स्टॉप की दुर्दशा पर भी चिंता जाहिर की। उन्होंने बताया कि बस स्टॉप बंद होने से कानपुर आने-जाने वाले मजदूरों, छात्र-छात्राओं, वकीलों और मकनपुर शरीफ जैसे धार्मिक स्थलों पर दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं को भारी कठिनाई हो रही है।सपा नेत्री ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही कोठी घाट और अरौल बस स्टॉप को चालू नहीं किया गया, तो समाजवादी पार्टी को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से प्रशांत कटियार, देवेश कटियार, हरेंद्र सिंह गौतम, ऋषभ यादव, बिनोद कटियार, अंशुमान सिंह, श्याम जी, सविता, पंकज भारती, चांदी भाई आदि शामिल रहे।

संघ पदाधिकारी की दुकान में टप्पेबाजी, दो शातिर लखनऊ से गिरफ्तार

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। नगर पालिका चौराहे के पास स्थित स्टेशनरी की दुकान से दिनदहाड़े रुपये से भरा थैला पार करने वाले दो शातिर टप्पेबाजों को पुलिस ने लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित दुकानदार अखिलेश उर्फ पिंकू संघ के पदाधिकारी भी हैं। जानकारी के मुताबिक पांच अप्रैल को दोनों आरोपी ग्राहक बनकर दुकान पर पहुंचे और मौका पाकर थैला लेकर फरार हो गए।घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई।वारदात के बाद की गई शिकायत पर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर दोनों को दबोच लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से ?15,000 नकद, एक तमंचा, कारतूस और बाइक बरामद की है। दोनों के खिलाफ लखनऊ के विभिन्न थानों में दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज हैं।

सम्पादकीय

कारोबार नहीं जनकल्याण हो प्राथमिकता

जीवन में असुरक्षा, स्वास्थ्य व अपनों के भविष्य की तमाम चिंताओं से मुक्ति के लिये कोई व्यक्ति बीमा का सुरक्षा कवच लेने को बाध्य होता है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह विश्वास होता है कि ऊंच-नीच के वक्त में यह बीमा मददगार साबित होगा। लेकिन विडंबना यह है कि जिस बीमा क्षेत्र का आधार विश्वास होना चाहिए, उसको लेकर पॉलिसी धारकों में लगातार अविश्वास बना रहता है। बीमा कराने वाले एजेंटों और कंपनियों की ढकी-छिपी शर्तें उपभोक्ताओं के मन में अकसर संशय के बीज बोती हैं।जब बीमाधारकों को पॉलिसी का लाभ लेने का वक्त आता है तो उन्हें तमाम जटिल प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। हाल में आयोजित किए गए सर्वेक्षण ने इस वास्तविकता पर मोहर ही लगायी है। सर्वेक्षण बीमा क्षेत्र की तमाम विसंगतियों को उजागर ही नहीं करता बल्कि एक कठोर वास्तविकता की ओर भी इशारा करता है। सर्वेक्षण का निष्कर्ष है कि बीमा क्षेत्र में व्याप्त तमाम विसंगतियों को दूर करने के लिये लगातार निगरानी करने वाले एक सख्त नियामक तंत्र की आवश्यकता है। सर्वेक्षण के निष्कर्ष कई गंभीर खामियों की ओर इशारा करते हैं। इसके निष्कर्षों के अनुसार भारत के लगभग 65 फीसदी बीमा पॉलिसी धारकों को नहीं पता होता है कि उन्हें पॉलिसी लेने से कौन-कौन से लाभ होते हैं। उन्हें नहीं मालूम कि पॉलिसी से बाहर निकलने की प्रक्रिया कैसी है। यह भी नहीं मालूम कि दावा प्रक्रिया की आवश्यक कार्यवाही को उन्हें कैसे अंजाम देना है। इतना ही नहीं लगभग 60 फीसदी आश्रितों को यह भी नहीं पता कि वे किसी पॉलिसी के अंतर्गत कवर हैं। वे इस बात से अनजान हैं कि उन्हें किस चीज व किस स्थिति में बीमा लाभ मिलेगा। कमोबेश यह स्थिति तब है जब देश में बीमा उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। निस्संदेह, यह समझ की कमी केवल उस शब्दावली से ही नहीं उपजी है जिसे समझना मुश्किल है, बल्कि बीमा करते समय उपभोक्ता को उसकी प्रक्रिया और लाभों का सिर्फ एक पक्ष ही बताया जाता है। कई वास्तविकताएं शब्दजाल में छिपा ली जाती हैं।निश्चित रूप से बीमा का मूल उद्देश्य तब विफल हो जाता है, जब बीमाकर्ता उपभोक्ताओं को सही ज्ञान और लाभ लेने की वास्तविक प्रक्रिया की जानकारी देने के मूल कर्तव्य में विफल हो जाता है। दरअसल, विभिन्न क्षेत्रों में वित्तीय उत्पादों की गलत बिक्री भी एक प्रमुख चिंता का विषय बनी हुई है। जो कि पहले ही चरण में वित्तीय सुरक्षा के अंतिम लक्ष्य को कमजोर कर देती है। आम धारण बन गई है कि बीमा उद्योग इससे जुड़ी कंपनियों के आर्थिक हितों और जन के हितों के टकराव के रूप में स्थापित है। इसमें जनहित की प्राथमिकता नहीं होती बल्कि कंपनी का मुनाफा कमाने को तरजीह दी जाती है। अपना टारगेट पूरा करने के लिये उपभोक्ताओं को जबरन पॉलिसी चिपकाने वाले एजेंटों से लेकर ऐसे फील्ड अफसरों की लंबी सूची है, जिनकी प्राथमिकता बीमा कंपनी को लाभ पहुंचाने की ही होती है। विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र में रोगी की कीमत पर बीमाकर्ता व अस्पतालों के अपवित्र गठबंधन ने इसकी विश्वसनीयता को लेकर सवाल उठाये हैं। दरअसल, विनियामक नियंत्रण अपर्याप्त पाए गए हैं। इसके अलावा जवाबदेही का घोर अभाव पाया गया है। इसके साथ ही बीमा पॉलिसियों को लेकर पारदर्शिता की भारी कमी पायी जाती है। बीमा पॉलिसी के प्रावधानों और लाभ को लेकर सरलीकृत भाषा की हमेशा कमी महसूस की जाती है। इन मुद्दों को लेकर विभिन्न परिवारों और मित्रों में बीमा कवरेज को लेकर उत्साहजनक चर्चाएं समय की मांग है।

सलबेगा के बगैर पूरी नहीं होती पुरी की रथ यात्रा

पंकज चतुर्वेदी

यह है भारतीय अध्यात्म व भारतीय संस्कृति की ताकत, जिसके सामने धर्म, संप्रदाय की दीवारें भी कभी बाधक नहीं बन सकीं, न तो प्राचीन काल में, न ही आज भी।श्री जगन्नाथ पुरी में मंदिर से रथ चला गुंडेचा मंदिर की तरफ लेकिन रास्ते में एक ही जगह वह रुकता है, वह है भक्त सलबेगा की मजार, जगन्नाथ का मुस्लिम अनन्य भक्त। ओडिसी नृत्य हो या शास्त्रीय गायन या दूरस्थ अंचल की कोई धार्मिक सभा, सलबेगा द्वारा रचित भजन के बगैर उसे अधूरा ही माना जाता है। भगवान जगन्नाथ के भक्त सलबेगा को ओडिया भक्ति संप्रदाय में विशिष्ट स्थान मिला हुआ है। कह सकते हैं कि वे अपने दौर के क्रांतिकारी रचनाकार थे जो इस्लाम को भी मानते थे और प्रभु जगन्नाथ को भी शीश नवाते थे। भक्त सलबेगा की एक प्रसिद्ध रचना आज भी सभी धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों में सस्वर गाई जानी लगभग अनिवार्य मानी जाती है।

सलबेगा के प्रारम्भिक जीवन के बारे में तथ्यों से अधिक किंवदंतियां चर्चित हैं। भक्त सलबेगा 17वीं शताब्दी की शुरुआत के एक ओडिया भाषा के धार्मिक कवि थे। उनका जन्म मुगल सेना के मुस्लिम योद्धा लालबेगा के यहां हुआ। उन दिनों मुगल हमेशा श्रीमंदिर को गिराने के लिए कब्जा करने की कोशिश कर रहे थे। एक बार जब मुगल योद्धा लालबेग, पुरी के डंडा मुकुंदपुर इलाके के पास पुरी से लौट रहे थे, तो उन्होंने एक सुंदर युवा ब्राह्मण विधवा को स्नान घाट से लौटते हुए पाया। उसने महिला का अपहरण कर लिया और अंत में मजबूरी में उससे शादी कर ली, जो बाद में फातिमा बीवी के नाम से जानी जाने लगी। सलबेगा फातिमा बीवी और लालबेगा के पुत्र थे। बचपन से ही उन्होंने अपनी मां से भगवान जगन्नाथ, भगवान कृष्ण और भगवान राम के बारे में सुना। वह उनकी ओर आकर्षित हो गया। वह उनकी भक्ति करता, उन पर गीत लिखता।फातिमा बीवी की मृत्यु के समय भक्त सलबेगा एक बच्चा था। एक बार वह एक गंभीर बीमारी से ग्रसित हो गया और सभी वैद्य-हकीमों ने उम्मीद छोड़ दी कि भक्त सलबेगा जीवित नहीं रह सकता। एक दिन जब वह बिस्तर पर था तो उसने भजन सुना और सोचा कि महान भगवान जगन्नाथ जो कि दुनिया के भगवान हैं, मुझे ठीक करने में सक्षम होंगे। सलबेगा भगवान जगन्नाथजी की भक्ति में इतना खो गया था कि वो दिन-रात पूजा-अर्चना और भक्ति करने लगा। इसी भक्ति और पूजा-अर्चना के चलते सलबेगा को मानसिक शांति और जीवन जीने की शक्ति मिलने लगी। मुस्लिम होने के कारण सलबेगा को मंदिर में प्रवेश नहीं मिलता। वह मंदिर के बाहर ही बैठकर भगवान की भक्ति करने लगता।ऐसा माना जाता है कि भगवान जगन्नाथ जी उसे सपने में आकर दर्शन दिया करते। भगवान उसे सपने में आकर घाव पर लगाने के लिए भभूत देते और सलबेगा सपने में ही उस भभूत को अपने माथे पर लगा लेता। उसके लिए हैरान करने वाली बात यह थी कि उसके माथे का घाव सचमुच में ठीक हो गया था। मुस्लिम होने के कारण सलबेगा कभी भी भगवान जगन्नाथ जी के दर्शन नहीं कर पाया और उसकी मृत्यु हो गई। अपनी मृत्यु से पहले सलबेगा ने कहा था, 'यदि मेरी भक्ति में सच्चाई है तो मेरे प्रभु मेरी मजार पर जरूर आएंगे।'

मृत्यु के बाद सलबेगा की मजार जगन्नाथ मंदिर से गुंडिचा मंदिर के रास्ते में बनाई गई थी। इसके कुछ महीने बाद जब जगन्नाथजी की रथयात्रा निकली तो सलबेगा की मजार के पास आकर भगवान का रथ रुक गया और लाख कोशिशों के बाद भी रथ इंच भर भी आगे नहीं बढ़ा। तभी पुरोहितों और राजा ने सलबेगा की सारी सच्चाई जानी और भक्त सलबेगा के नाम के जयकारे लगाए। जयकारे लगाने के बाद रथ चलने लगा। बस तभी से हर साल मौसी के घर जाते समय जगन्नाथजी का रथ सलबेगा की मजार पर कुछ समय के लिए रोका जाता है। भक्त सलबेगा के बनाए भजन, आज भी लोगों को याद हैं।भक्त सलबेगा सारा जीवन मंदिर के बाहर बैठकर ही भगवान जगन्नाथ जी के दर्शन की आस लगाए रहा। प्रभु का नाम जपता और उनके भजन लिखता।

आम प्रकृति नहीं स्त्री का हिंसक प्रतिरोध

स्त्री-शिक्षा के विस्तार

प्रमोद जोशी

अपेक्षाकृत बंद भारतीय समाज में शहरीकरण, स्त्री-शिक्षा और कार्य-क्षेत्र में स्त्रियों की बढ़ती उपस्थिति के कारण स्त्री-पुरुष संबंधों में भी बदलाव हुआ है और उसके अंतर्विरोध भी स्पष्ट हैं। शहरीकरण, स्त्री-शिक्षा के विस्तार और मीडिया की भूमिका के समांतर हमारे जीवन में लिव-इन रिलेशनशिप और पारिवारिक विघटन की घटनाएं भी बढ़ी हैं। लिव-इन का एक पक्ष नारी-मुक्ति से जुड़ा है, तो दूसरा पक्ष उनके शोषण से भी वाबस्ता है।मेघालय में हाल में हुए हनीमून हत्याकांड के बाद से अचानक ऐसी खबरों की भरमार मीडिया में हो गई है, जिनमें मानवीय और पारिवारिक रिश्तों को लेकर कुछ परंपरागत धारणाएं टूटती दिखाई पड़ रही हैं। खासतौर से अपराध में स्त्रियों की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर तथाकथित 'घातक पत्नियों' के मीम्स और मज़ाक की बाढ़ आ गई है। सोनम रघुवंशी और राजा रघुवंशी मामला अभी विवेचना के दायरे में है, इसलिए उस पर टिप्पणी करना उचित नहीं, पर उसके आगे-पीछे की खबरें इस बात का संकेत तो कर ही रही हैं कि हमारे बीच कुछ टूट रहा है।

आप पूछेंगे कि क्या टूट रहा है? एक नहीं अनेक चीजें टूट रही हैं। घर-परिवार टूट रहे हैं, रिश्ते टूट रहे हैं, विश्वास टूट रहा है, भावनाएं टूट रही हैं और वर्जनाओं-नैतिकता की सीमाएं टूट रही हैं।इस दौरान जो मामले सामने आए हैं उनमें प्रेम, विश्वासघात और मानवीय रिश्तों के अंधेरे पक्ष को लेकर सवाल उठे हैं। इन सभी प्रसंगों से इस बात पर रोशनी पड़ती है कि मानवीय भावनाएं, खास तौर पर प्रेम और वासना, कितनी जटिल और विनाशकारी हो सकती हैं। किस हद तक व्यक्ति जुनून और विश्वासघात से प्रेरित हो सकता है। यह उस अंधेरे को भी सामने लाता है जो प्रेमपूर्ण रिश्तों में मौजूद हो सकता है और कैसे प्रेम का विनाशकारी रूप सामने आ सकता है।पहले इन सुर्खियों पर निगाह डालें। एक लिव-इन पार्टनर ने अपनी प्रेमिका की हत्या कर खुद भी आत्महत्या कर ली। दूसरी खबर है, लिव-इन में रह रही युवती की हत्या, प्रेमी फरार। संपत्ति विवाद में पत्नी ने बेटे की मदद से पति को तकिए से मुंह दबाकर मार डाला। राजस्थान में प्रेमी संग मिलकर पत्नी ने की पति की हत्या। पारिवारिक झगड़े में पति ने अपनी पत्नी को गोली मार दी और फिर खुद को भी गोली मार ली। एक घटना किसी दूसरी घटना का प्रेरणास्रोत बनती है। तेलंगाना में एक हत्या की जांच से पता लगा कि मेघालय के अंदाज में हत्या की योजना बनाई गई, जिसमें बाहर से लाए गए हत्यारों की भूमिका होती। बाद में इसे टाल दिया और दूसरा रास्ता अपनाया गया।

इन सभी घटनाओं की पृष्ठभूमि एक जैसी नहीं है, पर सबमें पति, पत्नी, प्रेमी या प्रेमिका के प्रति विश्वासघात शामिल है। विश्वासघात के भी अलग-अलग कारण और ढंग हैं। इनमें किसी दूसरे प्रेमी या प्रेमिका, संपत्ति, ईर्ष्या या अचानक पैदा हुए आवेश की भूमिका है। हालांकि, हमारे पास इसे साबित करने वाला डेटा नहीं है, पर ऐसा लगता है कि स्त्रियों के व्यवहार में भी परिवर्तन आ रहा है। वे जीवन के अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं, तो आपराधिक प्रवृत्तियों में भी शामिल होने लगी हैं। स्त्रियों की परंपरागत छवि में जो बदलाव आ रहा है, उसमें शायद यह भी एक मोड़ है। बहरहाल, यह सामाजिक रिश्तों और मानसिक-प्रवृत्तियों के शोध का विषय है।पारिवारिक हिंसा समाज-शास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक, फोरेंसिक और चिकित्सा दृष्टिकोण से एक प्रमुख सार्वजनिक चिंता का विषय है। हत्या के अपराध, इसकी व्यापकता और इसे अंजाम देने के तरीकों का अवलोकन कुछ निष्कर्षों की ओर ले जाएगा, इसलिए इसकी निवारक रणनीतियों पर हमें विचार करना चाहिए। विवाह-हत्या सामान्य रूप से हत्याओं का एक प्रासंगिक हिस्सा है। यह अभी तक पश्चिमी समाज की समस्या मानी जाती थी

भगवान जगन्नाथ

यात्रा से पहले क्यों की जाती है सोने की झाड़ू से सफाई?

भगवान जगन्नाथ की पवित्र रथ यात्रा आज से पुरी में शुरू हो रही है। इस धार्मिक यात्रा में भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ अपनी मौसी के गुंडिचा मंदिर जाते हैं। हजारों भक्त इस यात्रा में शामिल होने के लिए जगन्नाथ धाम पहुंचते हैं। यह यात्रा 27 जून से शुरू होगी और 8 जुलाई को नीलाद्रि विजय के साथ समाप्त होगी, जब भगवान अपने धाम लौटेंगे। यात्रा शुरू होने से पहले सोने के झाड़ू से सफाई की जाती है, जिसके पीछे की वजह हम आपको बताएंगे।

भगवान जगन्नाथ की पवित्र रथ यात्रा आज से पुरी में शुरू हो रही है। इस धार्मिक यात्रा में भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ अपनी मौसी के गुंडिचा मंदिर जाते हैं। हजारों भक्त इस यात्रा में शामिल होने के लिए जगन्नाथ धाम पहुंचते हैं। यह यात्रा 27 जून से शुरू होगी और 8 जुलाई को नीलाद्रि विजय के साथ समाप्त होगी, जब भगवान अपने धाम लौटेंगे। यात्रा शुरू होने से पहले सोने के झाड़ू से सफाई की जाती है, जिसके पीछे की वजह हम आपको बताएंगे।

सोने के झाड़ू से सफाई क्यों?

रथ यात्रा शुरू होने से पहले राजवंशज रथ के मार्ग को सोने के झाड़ू से साफ करते हैं। यह परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। पहले राजा स्वयं इस कार्य को करते थे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सोना अत्यंत पवित्र धातु है और देवी-देवताओं की पूजा में इसका विशेष महत्व है।

सोने को सुख, वैभव और ज्ञान के कारक ग्रह गुरु से भी जोड़ा जाता है। इसलिए, सोने के झाड़ू से सफाई करने से यात्रा मंगलमय और शुभ होती है।

जगन्नाथ रथ यात्रा

शुक्रवार यानी की 27 जून से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा शुरू हो गई है। पुरी धाम में सुबह 6 बजे मंगला आरती हुई। इसके बाद सुबह 9:30 बजे से भगवान को रथ पर बिठाने की धार्मिक विधियां शुरू हुई,

और दोपहर 1 बजे के आसपास भगवान रथ पर विराजमान होंगे। दोपहर 3 बजे पुरी के राजपरिवार के गजपति सोने के झाड़ू से मार्ग की सफाई (बुहारा) करके यात्रा का शुभारंभ करेंगे।

इसके बाद भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलभद्र के साथ गुंडिचा मंदिर के लिए प्रस्थान करेंगे।

संचारी रोग एवं दस्तक अभियान को लेकर नगर निगम सक्रिय

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर । नगर निगम द्वारा शुक्रवार को संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक मुख्यमंत्री के निर्देशों और शासन की प्राथमिकता के अनुरूप नगर आयुक्त सुधीर कुमार के निर्देशों के तहत नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसका उद्देश्य था–अभियान को धरातल पर प्रभावी रूप से लागू कर शहर को बीमारियों से बचाना।

» नगर आयुक्त के निर्देश पर नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ चंद्र शेखर ने की समस्त विभागीय स्टाफ के साथ समीक्षा बैठक

बैठक में नगर निगम के समस्त जोनल स्वच्छता अधिकारी, एस.एफ.आई., सफाई पर्यवेक्षक, सफाई नायक सहित प्रमुख स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित रहे। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. अरुण कुमार सिंह, यूनिसेफ से बीएमसी हाफिज़ खान और राम सहाय, वहीं जेएसआई टीम से नाज़िया, आकाश तिवारी और शकील हुसैन भी बैठक में शामिल हुए।बैठक में नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर ने संचारी रोगों की रोकथाम, जागरूकता और सफाई अभियान को लेकर विस्तृत दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि बारिश के मौसम में जलभराव, गंदगी और मच्छरों का प्रकोप बढ़ता है, जिससे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा रहता है। इनसे बचाव के लिए क्षेत्रीय सफाई व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है।

जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. अरुण सिंह और यूनिसेफ प्रतिनिधि बीएमसी हाफिज खान ने भी बैठक में कहा कि लोगों को अपने घरों और आसपास जलभराव न होने देना चाहिए। बच्चों को पूरी बाहं के कपड़े पहनाना, मच्छरदानी का उपयोग करना और साफ–सफाई पर विशेष ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है।इस दौरान जेएसआई की नाजिया ने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों के नियमित टीकाकरण पर बल देते हुए बताया कि यह टीके 12 जानलेवा बीमारियों से बच्चों को सुरक्षा प्रदान करते हैं। यह नि:शुल्क टीकाकरण हर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार से रविवार तक उपलब्ध है। गर्भवती महिलाओं के लिए भी नि:शुल्क टीकाकरण व प्रसव पूर्व जांच की व्यवस्था की गई है।नगर निगम का उद्देश्य है कि इस अभियान के माध्यम से न केवल बीमारी को रोका जाए, बल्कि नागरिकों को जागरूक कर उन्हें स्वच्छता व स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदार बनाया जाए।

स्वराज इंडिया की अपील

स्वराज इंडिया अखबार यह अपील करता है कि शहरवासी नगर निगम के प्रयासों का साथ दें और अपने क्षेत्र को स्वच्छ, सुरक्षित और रोगमुक्त बनाए रखने में सहयोग करें।

तिरुपति बालाजी की भव्य शोभायात्रा व महाप्रसाद भंडारे का होगा आयोजन

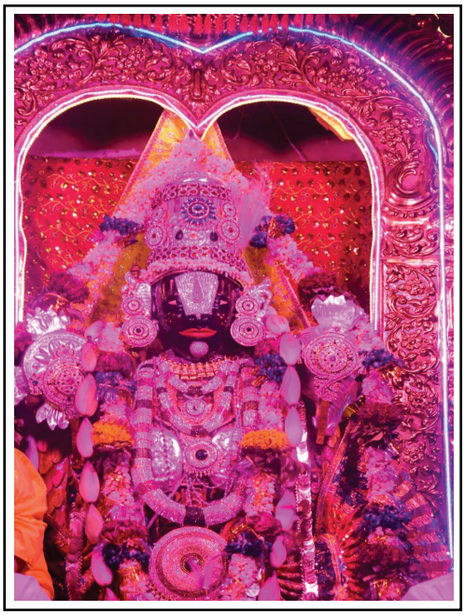

» भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी सेवा समिति की ओर से आषाढ़ शुक्ल पक्ष में भगवान लक्ष्मी नारायण की प्रतिमा नगर भ्रमण पर निकलेगी, 22 जुलाई को भंडारे में मिलेगा विशेष प्रसाद

स्वराज इंडिया संवाददाता,

कानपुर ।हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी सेवा समिति द्वारा भगवान श्री तिरुपति बालाजी की भव्य शोभायात्रा व महाप्रसाद भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। समिति के प्रमुख स्वामी प्रमोदाचार्य व वरिष्ठ सदस्य सुरेश नाथ खन्ना ने बताया कि यह आयोजन आषाढ़ शुक्ल पक्ष में शुक्रवार की तिथि पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु बड़ी संख्या में भाग लेंगे। शोभायात्रा की शुरुआत शुक्रवार शाम 4 बजे भगवान श्री लक्ष्मी नारायण स्वामी के मंदिर, पुरानी दाल मंडी कैनाल रोड (बिराना रोड) स्थित समिति कार्यालय के सामने से की जाएगी। यात्रा के दौरान भगवान श्री तिरुपति बालाजी नगर भ्रमण करते हुए भक्तों को दर्शन देंगे तथा शाम को नयागंज पहुंचकर भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथ यात्रा में सम्मिलित होंगे।नगर भ्रमण के बाद भक्तों को भगवान तिरुपति बालाजी का विशेष भोग – पोंगल व मेवा प्रसाद – वितरित किया जाएगा। यह प्रसाद सभी श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क रहेगा।स्वामी जी ने जानकारी दी कि महाप्रसाद भंडारे का आयोजन इस बार बुधवार, 22 जुलाई को शाम 6 बजे से तोताद्री मठ मंदिर में आरती उपरांत प्रारंभ होगा। आरती के बाद भंडारे का द्वार सभी भक्तों के लिए खोल दिया जाएगा और विधिवत प्रसाद वितरण किया जाएगा।इस आयोजन को सफल बनाने में समिति के सक्रिय सेवादार – सुरेश नाथ खन्ना, जितेंद्र जायसवाल, बृजेश कुमार गुप्ता, संजय जायसवाल, राजेश अग्रवाल, नितिन साहू, तरुण गुप्ता और मुकुंद गुप्ता सहित दर्जनों कार्यकर्ता जुटे हुए हैं।

एमएलसी अरुण पाठक के आगे बहानेबाज़ी करते दिखे डीपीआरओ

» जलालपुर नागिन की गौशाला में निरीक्षण के दौरान मिली भारी लापरवाही

» माती सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक, अधिकारियों को 15 दिन की मोहलत

» गांवों की सफाई, जल निकासी और डिजिटल रिकॉर्ड में भारी अनियमितता उजागर

मीडिया के प्रवेश पर रोक लगाकर लापरवाही को छुपाने की कोशिश की। लेकिन एमएलसी ने मौके पर ही सख्त नाराजगी जताई और दोषी कर्मियों पर कार्यवाही के निर्देश दिए। गौशाला में अफसरों की मिलीभगत और फर्जीवाड़ा खुलकर सामने आ गया।

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। ग्राम जलालपुर नागिन स्थित गौशाला का औचक निरीक्षण करने पहुंचे एमएलसी अरुण पाठक ने जब हकीकत देखी तो अफसरों के होश उड़ गए। चारा मशीन बंद, नाद सूखे और पशुओं के लिए पानी तक नहीं था। केयरटेकर झूठ बोलता मिला और सचिव रजिस्टर तक न दिखा सकी। अफसरों ने बैठक में अफसरों की क्लास, कामकाज सुधारने को मिली 15 दिन की मोहलत

माती सर्किट हाउस में आयोजित समीक्षा बैठक में एमएलसी अरुण पाठक ने जल निकासी, सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, मॉडल गांवों की प्रगति और डिजिटल परिवार पंजिका जैसे अहम विषयों पर जब सवाल किए तो डीपीआरओ विकास पटेल गोलमोल और गैर-जिम्मेदाराना जवाब देते रहे। कई बिंदुओं पर तो वे चुप रह गए। एमएलसी ने 5 बिंदुओं पर सुधार के निर्देश देते हुए कहा कि अगर 15 दिन में ठोस सुधार नहीं दिखे, तो अगली समीक्षा बैठक में कड़ी कार्रवाई होगी। सीसीटीवी खरीद पर जवाब देने में तत्परता, लेकिन कचरा वाहन या हैंडपंप जैसे जरूरी कामों पर बहानेबाज़ी ने अधिकारियों की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बैठक में सीडीओ, पीडी, समाज कल्याण अधिकारी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

थाना समाधान दिवस पर अफसरों ने सुनी पीड़ितों की आवाज

डीएम और एसपी ने थाना रनिया में सुनी जन समस्याएं

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी आलोक सिंह और पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्र ने शनिवार को थाना रनिया पहुंचकर आमजन की समस्याएं सुनीं। उन्होंने राजस्व, भूमि विवाद और थाने से संबंधित प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर शिकायत का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। डीएम ने कहा कि शासन की मंशा के अनुसार लोगों को त्वरित न्याय दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि किसी भी शिकायत को नजरअंदाज न किया जाए और पीड़ितों की बातों को गंभीरता से लिया जाए। राजस्व व पुलिस विभाग की संयुक्त टीमों को मौके पर भेजकर विवादों का स्थलीय समाधान कराने पर विशेष ज़ोर दिया गया। इस मौके पर थाना प्रभारी रनिया सहित राजस्व व पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे और सभी को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

फर्जी बैनामे को लेकर प्रधान पर मारपीट का आरोप, केस दर्ज

» ज़मीन विवाद में प्रधान, उसके सहयोगियों पर झूठा आरोप लगाने और हमले का आरोप

» पहले से भी प्रधान के खिलाफ दर्ज हैं कई गंभीर मुकदमे

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर थाना क्षेत्र के भोगनीपुर गांव में ज़मीन के पुराने बैनामे को लेकर विवाद इतना बढ़ा कि ग्राम प्रधान समेत तीन लोगों पर मारपीट और गाली-गलौज का मुकदमा दर्ज कराना पड़ा। पीड़ित सरताज पुत्र कदीर ने बताया कि गांव के ही संतोषी ने नंदराम से बुधेड़ा स्थित ज़मीन खरीदी थी और ?1.20 लाख की रकम अदा कर रजिस्ट्री भी करवाई थी। कागज़ों में दाखिल खारिज की प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी, लेकिन 16 महीने बाद ग्राम प्रधान अब्दुल अनीस ने नंदराम के भाई पातीराम और नाती लालाराम को साथ लेकर बैनामे को फर्जी बताते हुए सरताज पर दबाव बनाना शुरू कर दिया।जब सरताज ने विरोध किया तो 16 जून को प्रधान व उसके साथियों ने गाली-गलौज कर मारपीट की। पीड़ित की शिकायत पर भोगनीपुर कोतवाली में केस दर्ज कर लिया गया है। कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि प्रधान पर पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिससे गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों की मांग है कि ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही हो।

आरोपी ग्राम प्रधान

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

चिटफंड कंपनी के पूर्व मैनेजर ने की आत्महत्या, पेड़ से लटका मिला शव

गोंडा में संचालित एलयूसीसी चिटफंड कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत थे

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। जनपद के सिरौली गौसपुर तहसील क्षेत्र से एक दुखद खबर सामने आई है। भवानीपुर मजरे केवलापुर निवासी 50 वर्षीय स्वामी दयाल मिश्रा ने शनिवार सुबह आत्महत्या कर ली। उनका शव गांव से लगभग 100 मीटर दूर एक आम के बाग में पेड़ से लटका हुआ मिला। सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई।स्वामी दयाल मिश्रा, गोंडा में संचालित एलयूसीसी चिटफंड कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। कुछ माह पूर्व कंपनी पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज हुआ था, जिसके चलते स्वामी दयाल को 6-7 महीने की जेल हुई। दो महीने पहले ही वह जेल से रिहा हुए थे। रिहाई के बाद से वे गांव से दूर

मृतक की फाइल फोटो

खेत में बने एक छोटे से मकान में अकेले रह रहे थे, जबकि उनका परिवार गांव में ही निवास करता है।

थाना सफदरगंज के प्रभारी निरीक्षक अमर कुमार चौरसिया ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर यह मामला मानसिक अवसाद से जुड़ा बताया जा रहा है, लेकिन पुलिस हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है।घटना की खबर जैसे ही गांव में फैली, वहां शोक की लहर दौड़ गई। स्वामी दयाल के जानने वाले और ग्रामीण इस घटना से स्तब्ध हैं। स्वराज इंडिया अपील करता है कि आर्थिक और मानसिक परेशानियों से जूझ रहे लोग चुप न रहें—समय पर अपनों से बात करें, मदद मांगें। जीवन अनमोल है।

बाराबंकी के अनवारी गांव में गंदगी का बोलबाला

» ग्राम प्रधान और सचिव की अनदेखी से नालियां बनी बीमारी की वजह, सफाई व्यवस्था ध्वस्त

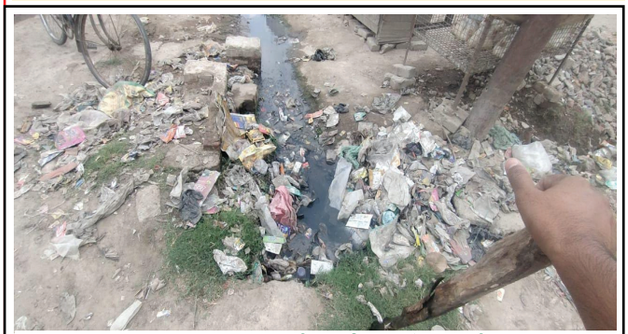

लखनऊ बाराबंकी मार्ग तक फैला कीचड़

स्वराज इंडिया संवाददाता

निंदूरा (बाराबंकी)। जिले के विकास खंड निंदूरा की ग्राम पंचायत कस्बा अनवारी में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। ग्राम प्रधान और सफाईकर्मी की लापरवाही के चलते गांव की गलियों और नालियों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। सड़कों के किनारे कूड़े के ढेर, नालियों से बहता गंदा पानी और बजबजाती नालियां कस्बे की पहचान बनती जा रही हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि नालियों का निर्माण ठीक ढंग से नहीं हुआ है, जिससे गंदा पानी बहकर लखनऊ–महमूदाबाद मुख्य मार्ग तक पहुंच रहा है। राहगीरों को इससे परेशानी हो रही है और बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। सफाईकर्मी क्षेत्र में महीनों से नजर नहीं आए, और गांववासी गंदगी में रहने को मजबूर हैं।जहां एक ओर प्रदेश सरकार गांवों को साफ–सुथरा रखने के लिए मिशन मोड में काम कर रही है, वहीं केंद्र सरकार भी स्वच्छ भारत अभियान के तहत गांवों में जागरूकता फैला रही है। लेकिन स्थानीय स्तर पर लापरवाही और अनदेखी इन तमाम प्रयासों को नाकाम बना रही है।ग्रामीणों का आरोप है कि सफाईकर्मी केवल वेतन लेने आते हैं, सफाई के नाम पर कोई स्थायी काम नहीं किया जा रहा। गांव के अंदरूनी हिस्सों में कई महीने से नालियों की सफाई नहीं हुई। इससे मच्छर और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। बच्चे और बुजुर्ग सबसे अधिक प्रभावित हैं।

अधिकारियों का जवाब

इस गंभीर स्थिति को लेकर जब खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) आलोक कुमार वर्मा से बात की गई, तो उन्होंने कहा, मामला अब जानकारी में आया है, तत्काल टीम भेजकर जांच कराई जाएगी।

मॉर्निंग वॉक कर रही महिला को स्कॉर्पियो ने मारी टक्कर, हालत गंभीर

सीसीटीवी में कैद हुई घटना, पुलिस ने आरोपी वाहन की पहचान कर शुरू की तलाश

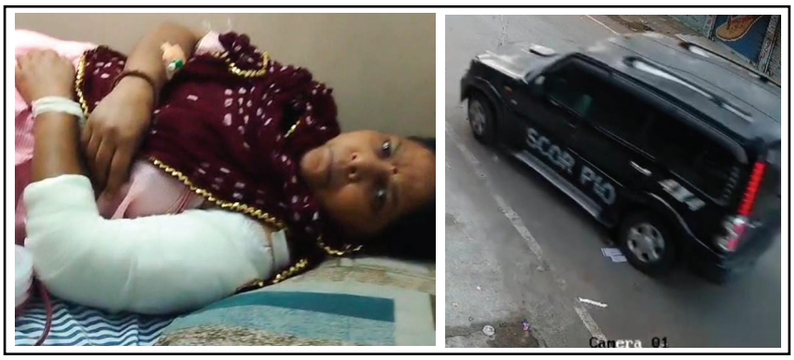

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। शहर के कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत निबलेट तिराहे पर शुक्रवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब मॉर्निंग वॉक से लौट रही महिला को एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में घायल महिला रेनू जायसवाल को गंभीर अवस्था में स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

घटना को लेकर मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, काली फिल्म लगी स्कॉर्पियो लहराते हुए छाया चौराहे की ओर से आ रही थी। महिला के बेटे दिव्यांशु जायसवाल ने बताया कि रास्ते में एक दुकान के पास खड़े कई लोग भी उसकी चपेट में आने से बाल-बाल बचे।

कुछ ही क्षण बाद रेनू जायसवाल को पीछे से टक्कर मार दी गई, जिससे वह कई फीट हवा में उछलकर दूर जा गिरीं।

सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई पूरी वारदात

हादसे की पूरी तस्वीर वीर स्टूडियो के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है।

वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि स्कॉर्पियो पहले महिला को टक्कर मारती है, फिर अनियंत्रित होकर एक बिजली के खंभे से टकराती है और मौके से फरार हो जाती है।मामले में पुलिस ने गाड़ी नंबर यूपी 41 एच 7734 के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक जांच में वाहन पीरबर्टवन निवासी पल्लू चौधरी का बताया जा रहा है। कोतवाल रामकिशन राणा के नेतृत्व में पुलिस की टीम आरोपी चालक और वाहन की तलाश में जुटी है। उधर, घायल महिला के परिजन दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

स्थानीय लोगों में रोष, ट्रैफिक व्यवस्था पर उठे सवाल

इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी रोष देखा गया। लोगों ने क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही और लचर ट्रैफिक व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। नागरिकों ने निबलेट तिराहे पर ट्रैफिक पुलिस की तैनाती और स्पीड ब्रेकर की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके।

बारिश भी नहीं रोक पाई वाराणसी के सीपी मोहित अग्रवाल के कदम!

» ईमानदार व एनकाउंटर स्पेशलिस्ट पुलिस आयुक्त ने ई-रिक्शे से किया गोपनीय निरीक्षण, मच गया महकमे में हड़कंप

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

वाराणसी। शहर की कमान संभाले तेजतर्रार, कर्तव्यनिष्ठ और न्यायप्रिय पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने शुक्रवार की शाम अपने एकदम अनोखे अंदाज से फिर साबित कर दिया कि कानून व्यवस्था और जनसुविधा उनके लिए सर्वोपरि है- चाहे मौसम कैसा भी हो। रिमझिम बारिश में भी पुलिस आयुक्त ने शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों का गोपनीय निरीक्षण किया, जिससे महकमे में खलबली मच गई।

पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने न कोई काफिला लिया, न सरकारी वाहन, बल्कि सादे कपड़ों में ई-रिक्शा से निकल पड़े शहर का हाल जानने। बारिश की फुहारों के बीच वे खुद छाता लेकर बाजारों की गलियों में पैदल घूमे और सीधे दुकानदारों, राहगीरों से फीडबैक लिया।ई-रिक्शे से निरीक्षण की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई। बाजार में अचानक उन्हें देखकर जहां आम लोग हैरान रह गए, वहीं कई दुकानदारों और नागरिकों ने उनका स्वागत कर उन्हें अपनी समस्याएं भी बताईं। पुलिस आयुक्त ने सभी की बातों को गंभीरता से सुना और मौके पर मौजूद अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

लापरवाही नहीं करेंगे बर्दाश्त, दी सख्त चेतावनी

निरीक्षण के दौरान उन्होंने अतिक्रमण फैलाने वालों और ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों को चिह्नित करते हुए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने साफ कहा कि शहर की व्यवस्था से कोई भी खिलवाड़ नहीं कर सकता — चाहे वह दुकानदार हो या खुद विभाग का कोई कर्मचारी।

जनता में दिखा विश्वास, सोशल मीडिया पर वायरल हुए फोटो

पैदल चलते, छाता लिए निरीक्षण करते पुलिस आयुक्त की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई हैं। नागरिकों ने उन्हें जमीनी हकीकत समझने वाला अफसर बताते हुए सराहना की है।

महाराष्ट्र के उद्यमी ने गुप्त दान किया 175 किलो सोना

राम मंदिर में अर्पित भक्ति या अदृश्य पूंजी का प्रभाव?

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। राम मंदिर अब सिर्फ एक धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि अद्भुत समर्पण और स्वर्णिम दान का तीर्थ बनता जा रहा है। श्रीराम जन्मभूमि में न केवल देशभर के श्रद्धालु बल्कि उद्योगपति, ट्रस्ट और धार्मिक संस्थाएं खुलकर दान दे रहे हैं। लेकिन हाल ही में सामने आए एक रहस्यमय समर्पण ने सभी को चौंका दिया है।

महाराष्ट्र के एक गुमनाम उद्यमी ने मंदिर निर्माण में 175 किलो सोने का समर्पण किया है–जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 150 करोड़ रुपये है। इस स्वर्ण का उपयोग मंदिर के शिखर-कलश, परकोटे के छह मंदिरों के शिखर, दरवाजों और चौखटों पर स्वर्ण मंडन के रूप में किया गया है। शेषावतार मंदिर के शिखर पर अब भी कार्य प्रगति पर है।

सबसे बड़ी बात यह है कि इस स्वर्णदाता ने एक ही शर्त पर दान किया–पूर्ण गोपनीयता। ना कोई नाम, ना श्रेय। लेकिन सवाल यही है कि जब इतनी बड़ी राशि देने वाला व्यक्ति अपने नाम की अपेक्षा नहीं रखता, तो दस करोड़ देने वाले किसी दानवीर के नाम पर निर्माणाधीन प्रेक्षागृह का नामकरण कैसे जायज ठहराया जा सकता है?

यह सवाल खुद गोपाल राव, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के आमंत्रित सदस्य और निर्माण प्रभारी ने उठाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंदिर एक सामूहिक श्रद्धा का प्रतीक है, न कि दान की शर्तों का मंच। उन्होंने यह भी बताया कि दस करोड़ या उससे अधिक की राशि दान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या सैकड़ों में है, फिर भी कोई नामकरण या विशेषाधिकार की अनुमति नहीं दी जा सकती।

इस पूरे प्रकरण में पटना के महावीर मंदिर ट्रस्ट और उसके तत्कालीन सचिव आचार्य किशोर कुणाल का उल्लेख जरूरी है जिन्होंने पांच वर्षों में दो-दो करोड़ की किश्तों में दस करोड़ समर्पित किए थे। उन्होंने गर्भगृह को स्वर्ण मंडित कराने की अनुमति मांगी थी, जो तीर्थ क्षेत्र द्वारा अस्वीकृत कर दी गई थी।

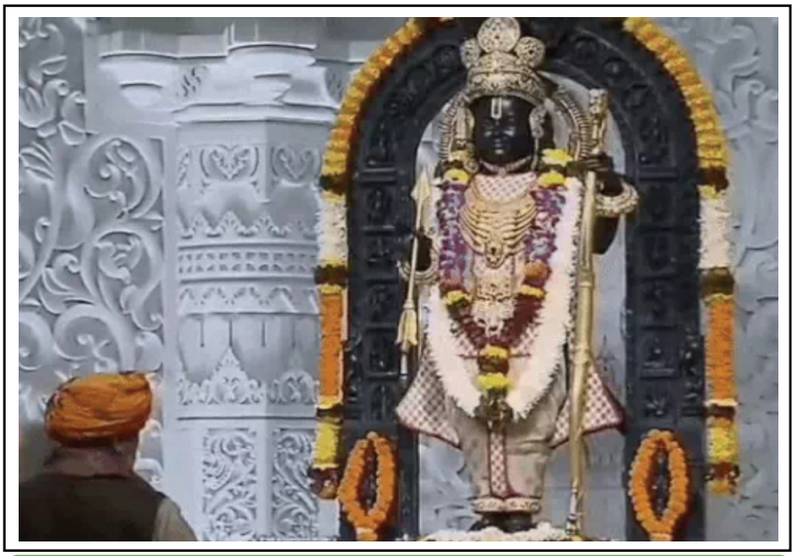

यह स्वर्ण समर्पण एक बहस को जन्म देता है

- क्या यह केवल भक्ति का चरम रूप है या फिर धार्मिक संस्थानों में अपार संपत्ति के आगमन का एक नया दौर?
- क्या मंदिर दान का केंद्र बनेगा या गोपनीयता की ओट में धर्म के नाम पर आर्थिक शक्ति का संतुलन बदलेगा?
- राम मंदिर भले ही दिव्यता और श्रद्धा का सर्वोच्च प्रतीक हो, लेकिन इसमें बह रही स्वर्णधारा कई परतों वाले प्रश्न भी लेकर आई है। क्या यह सिर्फ निष्कलंक श्रद्धा है या सुनहरी चुप्पियों से बुना गया प्रभाव?

फिरोज बना कृष्णा...

- सनातन की शरण में लौट आया एक भटका मुसाफ़िर
- सांप्रदायिकता के धुएं में बुझी रोशनी की लौ है मुस्लिम युवक के कृष्णा बनने की कहानी

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। राम की नगरी ने एक और आत्मा को अपना लिया। मिठाई की दुकान पर काम करने वाले मुस्लिम युवक फिरोज ने मंदिर में विधिवत पूजा-पाठ कर सनातन धर्म को आत्मसात कर लिया। अब उसका नया नाम है कृष्णा यादव।भरतकुंड के महंत परमात्मा दास और स्थानीय भक्तों की उपस्थिति में कृष्णा ने वैदिक विधि से धर्म दीक्षा ली। स्वागत में उसे हनुमान चालीसा भेंट की गई, और मंदिर परिसर में मिठाई बांटी गई। महंत ने कहा कि

यह कोई साधारण घटना नहीं, यह आत्मा की पुकार है। धर्म किसी जाति या जन्म से नहीं, भाव और श्रद्धा से तय होता है।

कृष्णा ने कहा मैंने जीवन में पहली बार धर्म को आत्मा से महसूस किया है। सनातन धर्म की गहराई, इसकी शांति, और इसकी

वैज्ञानिकता ने मुझे भीतर तक झकझोर दिया।

कृष्णा की बहन शबनम, जो रायपुर रोड पर अपने मकान में रहती हैं, ने कहा हमारे मां-बाप नहीं रहे, वह अपना रास्ता चुनने के लिए स्वतंत्र है। अगर उसे इसमें सुकून मिला है, तो मैं उसका विरोध क्यों करूं? खुदा ने चाहा तो मैं भी कभी उसका मंदिर देखूंगी।

फिरोज उर्फ कृष्णा, कैंट थाना क्षेत्र के करमअली का पुरवा में किराए पर रहता है। माता-पिता का निधन पहले ही हो चुका है। बहन शबनम रायपुर रोड पर खुद का मकान बनवा कर रह रही है।

कृष्णा बताता है कि वह बचपन से ही हिंदू रीति-रिवाज़ों से आकर्षित रहा और अब जब जीवन में किसी की बंदिश नहीं रही, तो उसने आत्मा की पुकार पर सनातन की राह पकड़ ली।

कृष्णा का यह कदम न सिर्फ़ धार्मिक रूपांतरण की एक कहानी है,

बल्कि यह आत्मा की मुक्ति, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सांस्कृतिक सम्मोहन की एक गूढ़ कथा भी है–एक ऐसी कहानी, जो पीढ़ियों तक सुनाई जाएगी।

भाई ने पार की क्रूरता की हद

बच्ची के बदन पर सिर्फ बनियान, अंडरवियर और प्लाजो गायब, होंठ पर चोट

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

उन्नाव। यूपी के उन्नाव जिले से शर्मसार करने वाली खबर सामने आई है। यहां एक छह साल की चचेरी बहन से युवक ने दरिंदगी की हदें पार कीं। इसके बाद गला घोंटकर मासूम की हत्या कर दी। आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया।

उन्नाव के औरास थाना इलाके के माइनर में बच्ची का शव मिलने के बाद ग्रामीण आक्रोशित नजर आए। यह देख पुलिस ने तुरंत शव सीएचसी पहुंचा दिया। वहीं, परिजनों को दिखाया गया। बच्ची के लापता होने के बाद परिजनों के साथ ग्रामीण भी गुरुवार रात से उसकी तलाश कर रहे थे। शुक्रवार दोपहर 2:30 बजे अर्द्धनग्न हालत में बच्ची का शव मिलने के बाद ग्रामीणों का आक्रोश और बढ़ गया।

वह घटना को अंजाम देने वाले आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की मांग करने लगे। यह देख पुलिस ने तुरंत शव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां पहले बच्ची की दादी को शव दिखाया गया। नन्हीं पौत्री का शव देख दादी बेसुध हो गई, जैसे तैसे लोगों ने उन्हें संभाला, फिर पिता को दिखाया गया, वह बेटी के शव के साथ लिपटकर तेज से चीखा।

पुलिस कर्मियों ने सभी को शांत कराया और आगे की कार्रवाई शुरू की है। मृत बच्ची के बदन पर सिर्फ बनियान थी, उसकी अंडर वियर और लोवर नहीं मिला। मृतका के होंठ और गाल पर चोट के निशान पाए गए हैं। औरास थाना क्षेत्र के एक गांव में बच्ची का शव मिलने के बाद घटना के खुलासे में जुटी पुलिस घटनास्थल के आसपास बागों में रखवाली कर रहे आठ लोगों को पूछताछ के लिए उठाया। इसमें मृतका के गांव का ही एक बाग का युवक संदिग्ध है।

इसी माइनर में मिला था बच्ची का शव।

मुठभेड़ में आरोपी को पुलिस ने धर-दबोचा।

चर्चा है कि वह बच्ची से आए दिन मिलता था, उसे फोन पर वीडियो भी दिखाया करता था। जिस समय बच्ची लापता हुई वह भी बाग में ही था। पुलिस सभी से कड़ाई से पूछताछ कर रही है। वहीं, पुलिस ने माइनर में आ रहा पानी बंद कराकर बच्ची के कपड़ों की तलाश शुरू की है।

जिस माइनर में मिला शव, परिजन पहले कर चुके थे तलाश : थाना क्षेत्र के जिस गांव की माइनर में बच्ची का शव मिला है वहां गुरुवार रात में भी परिजनों ने तलाश की थी, तब वह सूखी थी और वहां कुछ नहीं मिला था। बता दें कि माइनर से पांच किलोमीटर पहले गेरुआ गांव के पास पानी रोकने के लिए गेट लगा हुआ है, वहां मछली पकड़ने वाले अक्सर पानी बंद कर देते हैं।

झाड़ियों में फंस गया शव : शुक्रवार को जिस समय पर पुलिस और परिजन उसकी तलाश का रहे थे, तभी अचानक से पानी छोड़ा गया और दोपहर करीब 2:30 बजे शव माइनर की पुलिया से बहकर आगे आया और झाड़ियों में फंस गया। बेटी का शव देख मां चीख पड़ी। बताया कि बेटी ने लाल फ्रॉक और प्लाजो पहन रखा था, जो उसके बदन पर नहीं था। शरीर पर सिर्फ बनियान थी और कुछ भी नहीं था। मां ने बताया कि बेटी आंगनबाड़ी में पढ़ने जाती थी।

बाबा को पानी देने गई थी मासूम बच्ची : औरास थाना के एक गांव निवासी छह साल की बच्ची गुरुवार रात करीब आठ बजे घर के पास ही अहाते में सो रहे बाबा को पीने के लिए पानी देने गई थी। इसके बाद घर नहीं लौटी। बाबा के पास सो जाने की आशंका पर पिता, उसे देखने गया तो वह नहीं मिली।

बाग में रखवाली करने वाले आठ लोगों को उठाया

पुलिस ने शव को निकलवाया। सीओ अरविंद चौरसिया ने गांव के आस पास बाग में रखवाली करने वाले आठ लोगों को उठाया और पूछताछ शुरू की। इसी दौरान मृतका के बाबा ने बताया कि उनके परिवार का ही पौत्र (मृत बच्ची का रिश्ते में चचेरा भाई) भी नहीं दिखा है। शाम करीब पांच बजे एसपी दीपक भूकर घटनास्थल पहुंचे और जांच की। सीओ से घटनाक्रम की जानकारी ली और लापता चचेरे भाई की तलाश करने को कहा। एसपी के मुताबिक, आरोपी ने नशे में दुष्कर्म करने की बात कबूली है। बताया है कि बच्ची के लहूलुहान और बेहोश होने पर वह घबरा गया। करतूत उजागर होने और जेल जाने के डर से उसने बच्ची का मुंह दबाकर गला घोट दिया। उसके कपड़े भी नहर में फेंक दिए थे। पुलिस ने बच्ची के कपड़े बरामद करने के लिए नहर का पानी बंद कराया।

काशी के लाल का कमाल

वियतनाम में बीच कुश्ती में जीता पहला अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

वाराणसी। काशी के सौरभ यादव ने वियतनाम में बीच कुश्ती में पहला अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 80 किलो भार वर्ग में चार मुकाबलों में पदक जीतने का गौरव हासिल किया है।

वियतनाम में आयोजित एशियाई बीच कुश्ती में काशी के सौरभ ने स्वर्णिम प्रदर्शन किया है। बीच कुश्ती के फाइनल में वाराणसी के बच्छाव निवासी सौरभ यादव ने मंगोलिया के खिलाड़ी को चार अंकों के अंतर से करारी शिकस्त देकर अंतरराष्ट्रीय कुश्ती का पहला स्वर्ण और इस वर्ष का पांचवां पदक अपने नाम कर लिया।

कुश्ती के छह राष्ट्रीय मुकाबले जीतने वाले काशी के लाल सौरभ यादव का एशिया कप बीच कुश्ती में शानदार प्रदर्शन जारी है। उन्होंने वर्तमान सत्र के 80 किलो भार वर्ग में लगातार चार मुकाबलों में पदक जीतने का गौरव हासिल किया है।

सौरभ ने स्कूली नेशनल में कांस्य, खेलो इंडिया यूथ गेम्स में रजत और सब जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर काशी का नाम रोशन किया है। बीच कुश्ती वियतनाम में 27 जून को खेली गई। सौरभ ने इसी वर्ष 12वीं की परीक्षा गणित वर्ग में 79 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है।

क्षेत्र में लगा था कर्फ्यू | **आत्मघाती हमलावर ने सैन्य काफिले को बनाया निशाना**

पाकिस्तान में आत्मघाती हमला, 13 सैनिकों की मौत, 29 घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार को हुए आत्मघाती हमले में कम से कम 13 सुरक्षाकर्मी मारे गए और 24 अन्य घायल हो गए। मामले से जुड़े अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि आत्मघाती बम विस्फोट अफगानिस्तान सीमा के पास पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में हुआ।

उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में एक सैन्य काफिले को निशाना बनाकर किए गए आत्मघाती बम विस्फोट में दर्जनों लोगों के घायल होने की खबर है। हालांकि, हताहतों की संख्या बढ़ भी सकती है। सूत्रों के मुताबिक, उत्तरी वजीरिस्तान जिले के खड्डी इलाके में आज सुबह एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन को बम निरोधक इकाई के माइन-रेसिस्टेंट एम्बुश प्रोटेक्टेड (एमआरएपी) वाहन से भिड़ा दिया।

विस्फोटकों से लदे वाहन की सैन्य काफिले से टक्कर

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में एक स्थानीय सरकारी अधिकारी ने कहा कि एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन की सैन्य काफिले से टक्कर करवा दी। विस्फोट में 13 सैनिक मारे गए। इसके अलावा 10 सैन्यकर्मी और 19 नागरिक घायल हो गए।

क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों के कारण कर्फ्यू लगा था

सूत्रों के मुताबिक, हमले के समय इलाके में चल रही सैन्य गतिविधियों के कारण कर्फ्यू लगा दिया गया था। विस्फोट के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने बचाव अभियान शुरू किया। आतंकवादी समूह उसुद अल-हरब के एक उप-गुट हाफिज गुल बहादुर समूह ने हमले की जिम्मेदारी ली है।